

आरत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपलब्ध (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 434] नई दिल्ली, भृगुपति वार, विसम्बर 3, 1970/अग्रहायण 12, 1892

No. 434] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 3, 1970/AGRAHAYANA 12, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलिप्त दी जाती हैं जिसस कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

ORDER

New Delhi, the 3rd December 1970

S.O. 3891.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Commerce and Industry No. S.O. 581, dated the 4th March, 1963, read with the Orders of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 816, dated the 4th March, 1968, in the late Ministry of Foreign Trade and Supply (Department of Foreign Trade) No. S.O. 922, dated the 3rd March, 1969, and in the Ministry of Foreign Trade No. S.O. 835, dated the 23rd February, 1970 and S.O. 2969, dated the 2nd September, 1970, the management of the industrial undertaking known as the Pratap Spinning, Weaving and Manufacturing Company Limited, Amalner (Maharashtra) (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) had been taken over by the Authorised Controller referred to in the Order first mentioned above for a period upto and inclusive of the 3rd December, 1970;

And whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Foreign Trade No. S.O. 3718, dated the 10th November, 1970, the Maharashtra State Textile Corporation Limited (hereinafter referred to as the Authorised Controller) has been authorised to take over the management of the whole of the said undertaking;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the Authorised Controller should continue for a further period of one month;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), and in supersession of the Order of the Government of India in the Ministry of Foreign Trade No. S.O. 3710, dated the 9th November, 1970, the Central Government hereby directs that the Order first mentioned above shall continue to have effect for a further period upto, and inclusive of, the 3rd January, 1971.

[No. F. 13(1)TEX(G)/68.1]

B. D. KUMAR M. Secy

(1901)

विदेशी व्यापार मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 1970

एस० फो० 3891.—यतः भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय के आदेश संख्या का० आ० 816, दिनांक 4 मार्च, 1968, भूतपूर्व विदेशी व्यापार तथा आपूर्ति मंत्रालय (विदेशी व्यापार विभाग) के का० आ० संख्या 922, दिनांक 3 मार्च, 1969 और विदेशी व्यापार मंत्रालय के आदेश संख्या का० आ० 835, दिनांक 28 फरवरी, 1970 तथा का० आ० 2969, दिनांक 2 सितम्बर, 1970 के साथ पठित भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय के आदेश संख्या का० आ० 581, दिनांक 4 मार्च, 1963 द्वारा प्रताप स्पिनिंग, बीरिंग एण्ड मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड, अमालनेर (महाराष्ट्र) (एतदोपरान्त जिसे उक्त श्रौद्धोगिक उपक्रम कहा जाएगा) नामक श्रौद्धोगिक उपक्रम का प्रबन्ध उपरिवर्णित अन्तिम आदेश में निर्दिष्ट प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा 3 दिसम्बर, 1970 तक की कालावधि के लिए, जिसमें यह तारीख भी शामिल है, से लिया गया था;

और यतः भारत सरकार के विदेशी व्यापार मंत्रालय के आदेश का० आ० सं० 3718, दिनांक 10 नवम्बर, 1970 द्वारा उपरोक्त संपूर्ण उपक्रम का प्रबन्ध अपने प्रधिकार में लेने के लिए महाराष्ट्र राज्य बस्त्र निगम लिमिटेड (एतदोपरान्त जिसे प्राधिकृत नियंत्रक कहा जाएगा) को प्राधिकृत किया जाता है।

और यतः केन्द्रीय सरकार नी यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा उक्त श्रौद्धोगिक उपक्रम का प्रबन्ध एक मास की अतिरिक्त कालावधि के लिये बना रहना चाहिए ।

अतएव अब उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-क की उप-धारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के विदेशी व्यापार मंत्रालय के आदेश संख्या का० आ० 3710, दिनांक 9 नवम्बर, 1970 का प्रधिकरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह निदेश देती है कि उपरिवर्णित अन्तिम आदेश 3 जनवरी, 1971 तक की कालावधि के लिये, जिसमें यह तारीख भी शाँ ल है, प्रभावी बना रहेगा ।

[सं० फा० 13(1) टेक्स (जी)/68.]

बी० डी० कुमार, संयुक्त सचिव।

ERRATUM

In the Ministry of Foreign Trade Hindi version Notification No. 60(4) एक्सप्रॉ० इन्स पे० /67, Issue No. 347, dated the 18th September 1970, published as Extraordinary Gazette of India, Part II, section 3, sub-section (ii), Page No. 1522 for 'का० आ० 31222' read 'का० क्षा० 3122'.